जाने की प्रेरणा दी। वहाँ पर एक सभा चल रही थी और वह उस सभा में बैठकर बहुत ज़ोर से चिल्लाकर प्रार्थना की और अपने सारे पापों को मान लिया। तब परमेश्वर ने उसके सारे पाप क्षमा कर दिये।

मैंने समझ लिया कि उनके जीवन में एक नया शुरुवात हो गया है। आत्महत्या करने का विचार छोड़ कर उस पत्रिका में दिए हूए पते पर पत्र लिखा। थोड़े ही दिनों के बाद मुझे मेरे पत्र का जवाब मिला और उसमें कोरिया के कुछ कृस्तीय विश्वासियों के अनुभव की गवाही और 'आशा की ज्योति' नाम से एक पत्रिका भी थी जो मसीह में होने से जो आनन्द मिलता है उसका वर्णन कर रही थी। उनकी गवाही में वे लोग खुदा का धन्यवाद दे रहे थे।

क्या, मुझे भी यह अनुभव नहीं मिलेगा? फिर भी जन्म होनेवाले दोस्तों को मेरे आँखों से देखने केलिए मैं *पुसान* शहर चला गया। वहाँ पर एक सेवकाई से मेरी मुलाकात हो गई। वह मुझे अपने घर ले गये। मुझे बचाकर, पाप के बंधनों से उद्धार करने वाले परमेश्वर के शक्ती के बारे में वे बताया। मेरे अन्तःकरण में गहरा पापबोध हुआ। मेंने समझ लिया कि में बहुत बड़ा एक पापी हूँ। मेरे मन में एक संन्देह आया कि क्या जीवित ईश्वर को त्यागे हुए और सच्चे विश्वासियों की निन्दा करने वाले मेरे जैसे अपराधियों को ईश्वर क्षमा करेगा।

कलीसिया के भाई-बहनों ने मेरे लिए प्रार्थना की। वहाँ बैठकर हर एक पापों को गिन-गिन कर ईश्वर को सौंप दिया। मेरी आँखों से आँसुओं की धारा बहने लगी। तब आसमानी बाप ने मेरे जीवन में बड़ा परिवर्तन डाल दिया। तब से एक अलौकिक शान्ति महसूस करने लगा! धूम्रपान, शराब पीना, नशीली पदार्थों की कड़ी इच्छा, आत्महत्या की चिंता सब मुझ से दूर हो गये और पाप नहीं करने की शक्ति ईश्वर मुझे दे दिया।

जब मुझे मालुम हुआ की मैं पवित्र हो सकता हूँ तब रस पवित्रता को पाने के लिए मेरा हृदय बहुत प्यासा हो गया जब मैंने परमेश्वर के आगे सब कुछ समर्पण कर दिया तब उसने मुझे पवित्रता का अनुभव दे दिया। समर्पण की प्रार्थना करके आँखों खोलने पर मैंने देखा मेरा बेटा मेरे लिए प्रार्थना कर रहा था वहाँ से जाने की इच्छा नहीं थी, इसलिए फिर से ठूरनेटेक कर प्रार्थना करना शुरु किया उस रात पवित्र आत्मा उतर आया और आशीष की बारिश उण्डेली! उस दिन मेरे साथ बारह आदमी-औरतों को भी पवित्र आत्मा का शक्ती मिला। उस दिन मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण रात था।

मैंने परमेश्वर के साथ एक वाचा बाँधि कि "मैं अपने जीवन का बाकी समय पुरी तरह उसकी महिमा के लिए, पाप में नाश होनेवाली आत्माओं को बचाने के लिए उपयोग करुँगा"। इसके बाद कोरिया की कलीसिया के कार्यालय में काम करने के लिए प्रभु ने मुझे अवसर दे दिया। अब मैं जेल में और अस्पतालों जाकर पाप से छुटकारा पाने वाला सुसमाचार सुनाता हुँ। परमेश्वर की शक्ति का गवाह बनकर उसकी महिमा करना मेरे जीवन की सबसे बड़ी आशा है।

मैं और मेरा परिवार यह कभी नहीं भूल सकते हैं कि हम आग से निकाले गये जलती हुई लकडी हैं, और प्रभु में नित्यजीवन की आशा में भाग हैं। मेरा जिंदगी का बाकी समय केवल यीशु मसीह ही का है।

- ली जोंग हो

APOSTOLIC FAITH CHURCH
World Headquarters
5414 SE Duke Street
Portland, Oregon 97206 U.S.A.
www.apostolicfaith.org

HI-006-0424

जीवन में बड़ी निराशा के कारण नदी में कूदकर आत्महत्या करने जा रहे उस व्यक्ती से पुल के रखवाले ने विनती की कि 'आप कृपया आत्महत्या न करें'। आत्महत्या करने केलिए सोच कर जब मैं बैठा था तब कोरिया की भाषा में लिखा हुआ एक पत्रिका के तीन शब्द पढ़ेवा मेरी सारी आशा नष्ट हो गयी थी अब जीवित रहने से कोई लाभ नहीं था।

मेरे बचपन में मेरे माता पिता न बाईबल पढ़ते थे और न प्रार्थना करते थे। घर बहुत बड़ा था ओर हर प्रकार की सुविधायें थी लेकिन हृदय में परमेश्वर का प्रेम नहीं था। हम को स्कूल में भेजने केलिए बहुत उत्साहित थे। पर गिरजे जाने केलिए कभी नहीं बोलते थे। कोरिया के सबसे अच्छे हैस्कूल और कालेज में पढ़ने केलिए अवसर मिला, लेकिन परमेश्वर के बारे में मुझे कुछ भी मालुम नहीं था। देश के महान व्यक्तियों को आधार करने केलिए सिखाया गया था परन्तु परमेश्वर को आघार करने केलिए नहीं सिखाया था।

मेरा विश्वास था कि गिरजे जानेवाले वे लोग हैं जो समस्याओं से भागने की इच्छा रखते हैं। उन लोगों से किसी प्रकार का संबंध रखना नहीं चाहता था। मैंने सोचा ही नहीं था कि प्रार्थना केलिए कभी घुटना टेकना पड़ेगा!

उस समय मैंने अपना एक व्यवसाय शुरू किया, मेरा घर बहुत अच्छा था और मैंने सोचा था कि सब कुछ ठीक चलेगा परन्तु संसार के सुखों को पाने के लिए एक तीव्र इच्छा मन में आने लगी थी। घर से अलग होकर ज्यादा समय अकेले बैठना पसंद किया। हरदिन रात में दारु पीना, खेलना और अप्ताह में नाचने में पूरा समय व्यतित कर दिया। सप्ताह में एक या दो बार घर आते समय मेरा घर होटल सा महसूस होने लगा।

जब तक मेरा व्यवसाय अच्छी तरह से चलता रहा तो दोस्त लोग भी बहुत थे, परन्तु जब व्यवसाय में नुकसान होने लगा तो एक एक करके सबने मुझे छोड़ दिया। बहुत जल्दी मैं बड़े पाप और मुसीबद में पड़ गया। मैं नाश हो गया और सब कुछ नष्ट हो गया। जब मैं साम्पतिक और आत्मीक पराधीनता में अकेलापन होकर आया तब मुझे अपने पैर पर खडे रहना मुशकिल था। मैं सहारा ढूँढता रहा लेकिन कोई न मिला।

शराब और नरो की चीजों से हौसला बढ़ाना चाहता था लेकिन वह खरीदने के लिए मेरे पास पैसा नहीं था।

इस संदर्भ में आत्महत्या के अलावा और कोई मार्ग नहीं था।

मेरे परिवार में मेरी पत्नी और मेरा बेटा था। इस संदर्भ में आत्महत्या के अलावा और कोई मार्ग नहीं था। मैं पत्नी की अनुमती के साथ, हमारी योजना को पूरा करने केलिए, अपना शहर सौल छोड़कर टेगु नाम शहर में, जहाँ हमको कोई जानता नहीं था, चला गया। वहाँ एक कम किरायेवाले होटल में कमरा किराये पर ले लिया।

हमारे छोटे बेटे को मालूम नहीं था कि हम क्या करने के लिए यहाँ आये हैं। इसलिए वह बार बार घर लौटने के लिए कह रहा था। रात होने के लिए बहुत समय बाकी था। आत्महत्या करने के लिए रात का समय अच्छा था इसलिए बेटे को खुश करने के लिए उसको लेकर हम नज़दीक के एक बच्चों के पार्क में चले गये ।

यह सब होते समय परमेश्वर मुझे ध्यान से देख रहा था। होटल में लौटते समय परमेश्वर के बारे में लिखा हूआ एक पत्रिका किसी प्रचारक ने मुझे दिया जैसा मिला वैसा ही मैंने उसको मोड़ के जेब में रख लिया क्योंकि उसे पढ़ना नहीं चाहता था। होटल से लौटने के बाद मरने के पहले पिताजी को एक पत्र लिखना मैं चाहता था जब मैं ने जेब से कलम निकाला उस समय कलम के साथ पत्रिका भी मेरे हाथ में आ गया। उसके शीर्षक ने मेरा ध्यान आकर्षित किया, और वह था, 'दुसरे की गलती से'। और मैंने वह पत्रिका पढ़ना आरंभ किया। उस में लिखा हुआ था 'तुम आत्महत्या मत करो' और यह बात मुझे बहुत अच्छी लगी। कितना अतिशय! मैंने परमेश्वर की स्तुति की! उस पत्रिका के द्वारा वह मुझ से बातें करने लगे। मैंने शुरु से अन्त तक वह पत्रिका पुरा पढ़ा। उसमें पहले अपराध किया वाला एक आदमी का अनुभव लिखा हुआ था।

जब वह जेल से बाहर आया तब कोई नहीं था उसकी मदद करने के लिए। नौकरी ढूँढते हुए पोर्टलैन्ड शहर की गलियों में चार दिन तक घूमता रहा। खाने के लिए कुछ नहीं मिला, सोने के लिए भी जगह न मिली। वहाँ के एक लकडी मिल में पड़ी हुई लकड़ी के ऊपर सो गया। जीवन संभालने के लिए और कोई मार्ग जब नहीं मिला तब एक नदी के ऊपर के पूल से कूदकर आत्महत्या करने के लिए जाते समय पूल के रखवाले ने उसे रोक दिया। पीछे मुड़कर देखते समय नज़दीक के एक अपोस्तोलिक देवालय के ऊपर चमकते हुए लिखितों दूर से दिखाई दिया। एक अदृश शक्ति उसको उघर